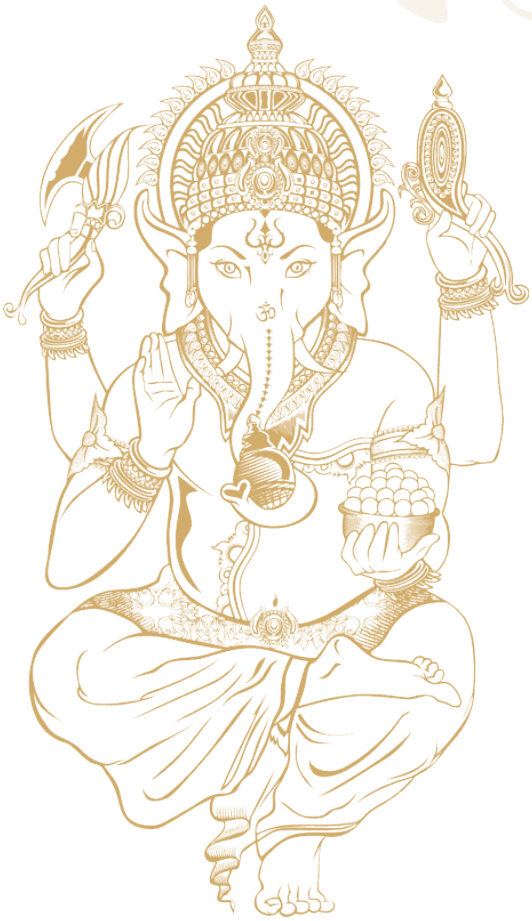

Rajat
Rishika

Model: Horoscope-Matching

Order No: 120818001

Model: Horoscope-Matching

Order No: 120818001 Date: 03/01/2026

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
05/11/1996	जन्म तिथि	14/08/1996
मंगलवार	दिन	बुधवार
घंटे 07:15:00	जन्म समय	07:30:00 घंटे
घटी 01:19:19	जन्म समय(घटी)	04:14:57 घटी
India	देश	India
Hamirpur	स्थान	Dehradun
31:38:00 उत्तर	अक्षांश	30:19:00 उत्तर
76:36:00 पूर्व	रेखांश	78:03:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:23:36	स्थानिक संस्कार	-00:17:48 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:43:16	सूर्योदय	05:44:08
17:30:58	सूर्यास्त	19:00:09
23:48:47	चित्रपक्षीय अयनांश	23:48:40
तुला	लग्न	सिंह
शुक्र	लग्न लग्नाधिपति	सूर्य
सिंह	राशि	कर्क
सूर्य	राशि-स्वामी	चन्द्र
मघा	नक्षत्र	आश्लेषा
केतु	नक्षत्र स्वामी	बुध
3	चरण	3
ब्रह्म	योग	वरियान
वणिज	करण	नाग
मू-मुकेश	जन्म नामाक्षर	डे-डेम
वृश्चिक	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	सिंह
क्षत्रिय	वर्ण	विप्र
वनचर	वश्य	जलचर
मूषक	योनि	मार्जार
राक्षस	गण	राक्षस
अन्त्य	नाड़ी	अन्त्य
मूषक	वर्ग	श्वान

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
केतु 2वर्ष 9मा 4दि		24:56:13	तुला	लग्न	सिंह	19:33:11	बुध 6वर्ष 1मा 3दि	
चन्द्र		19:06:34	तुला	सूर्य	कर्क	27:45:14	शुक्र	
11/08/2025		08:04:13	सिंह	चंद्र	कर्क	25:13:18	17/09/2009	
11/08/2035		09:21:39	सिंह	मंगल	मिथु	19:01:42	17/09/2029	
चन्द्र	11/06/2026	21:00:20	तुला	बुध	सिंह	23:58:58	शुक्र	16/01/2013
मंगल	10/01/2027	19:39:19	धनु	गुरु व	धनु	14:39:58	सूर्य	16/01/2014
राहु	11/07/2028	14:08:35	कन्या	शुक्र	मिथु	12:10:15	चन्द्र	17/09/2015
गुरु	10/11/2029	07:29:53	मीन व	शनि व	मीन	13:01:17	मंगल	16/11/2016
शनि	11/06/2031	13:42:05	कन्या	राहु व	कन्या	15:04:26	राहु	17/11/2019
बुध	10/11/2032	13:42:05	मीन	केतु व	मीन	15:04:26	गुरु	18/07/2022
केतु	11/06/2033	07:07:01	मक	हर्ष व	मक	08:01:26	शनि	17/09/2025
शुक्र	09/02/2035	01:24:16	मक	नेप व	मक	01:52:16	बुध	18/07/2028
सूर्य	11/08/2035	08:24:14	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	06:31:35	केतु	17/09/2029

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

23:48:47 चित्रपक्षीय अयनांश 23:48:40

लग्न-चलित

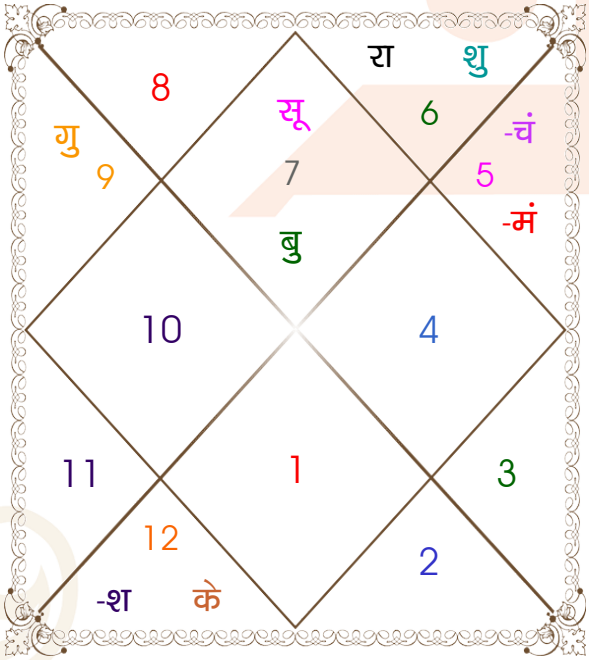

लग्न-चलित

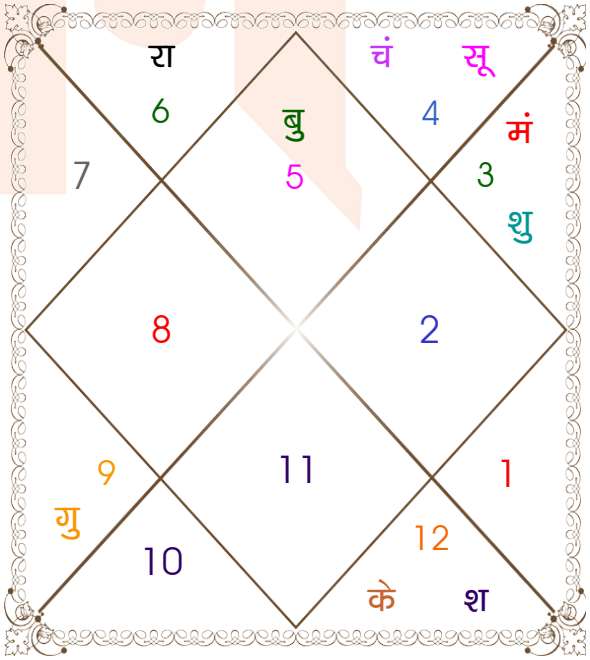

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	विप्र	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	वनचर	जलचर	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	सम्पत	अतिमित्र	3	3.00	--	भाग्य
योनि	मूषक	मार्जार	4	0.00	--	यौन विचार
मैत्री	सूर्य	चन्द्र	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	राक्षस	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	सिंह	कर्क	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	अन्त्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	15.00		

कुल : **15 / 36**

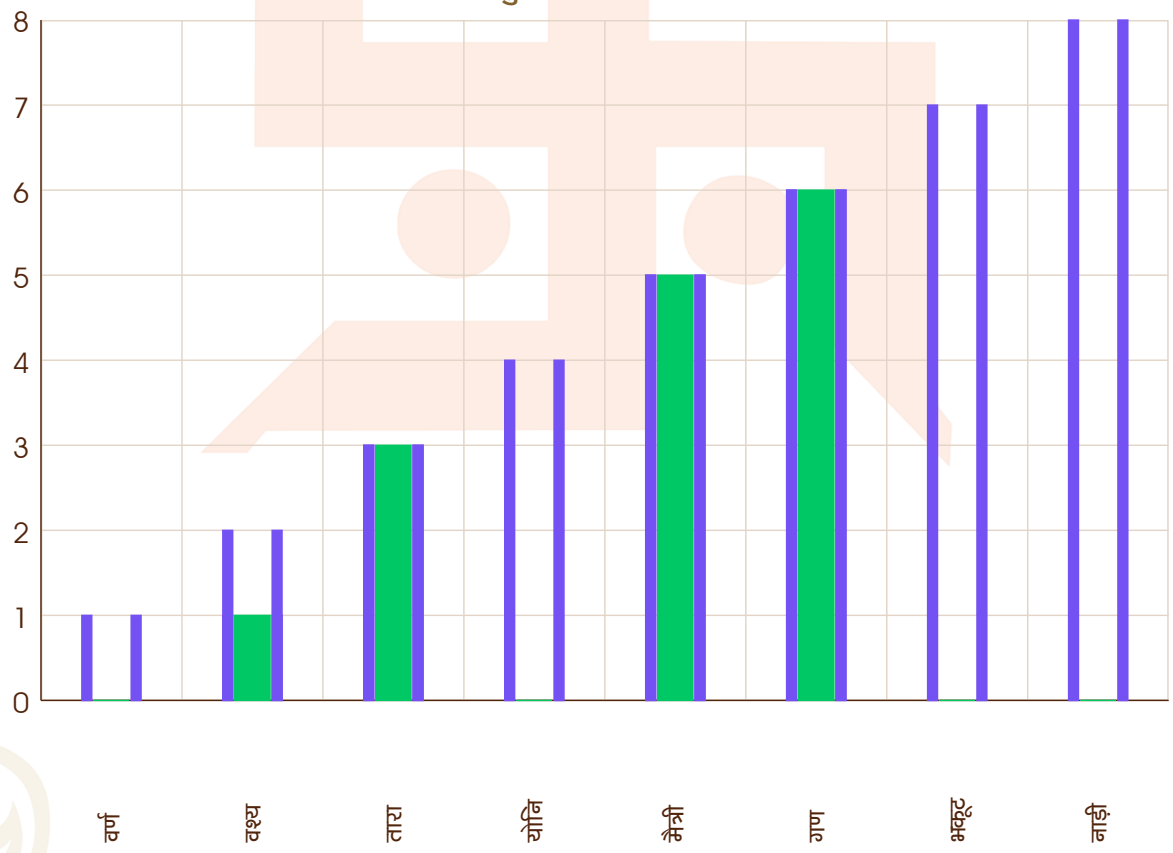

अष्टकूट मिलान

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

नाड़ी दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के नक्षत्र एवं राशियां भिन्न-2 है।

इस मिलान में नक्षत्र दोष भी विधमान है।

Rajat का वर्ग मूषक है तथा Rishika का वर्ग श्वान है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Rajat और Rishika का मिलान ठीक नहीं है।

मंगलीक दोष मिलान

Rajat मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है।

Rishika मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है।

Rajat तथा Rishika में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

मिलान ठीक नहीं है क्योंकि अष्टकूट गुण नहीं मिलते हैं।

अष्टकूट फलादेश

वर्ण

Rajat का वर्ण क्षत्रिय तथा Rishika का वर्ण ब्राह्मण है। अतः यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। जिसके कारण दोनों के बीच सदैव अहं का टकराव होता रहेगा। साथ ही Rishika हमेशा श्रेष्ठता मनोग्रंथि से ग्रस्त रहेंगी तथा स्वयं को अपने पति से हमेशा अधिक बुद्धिमान एवं चतुर समझेंगी। श्रेष्ठता की यही भावना Rajat एवं बच्चों के विकास में बाधक साबित हो सकती है।

वश्य

Rajat का वश्य वनचर है एवं Rishika का वश्य जलचर है। जिसके कारण यह मिलान औसत मिलान है। दोनों एक-दूसरे के प्रति उदासीन रहेंगे तथा अपनी इच्छानुसार दोनों अपना जीवन निर्वाह करते रहेंगे। वनचर Rajat एवं जलचर Rishika के बीच वैवाहिक संबंध करने से उनका वैवाहिक जीवन औसत ही माना जायेगा अर्थात न ही अच्छा और न ही बुरा। यद्यपि कि दोनों एक-दूसरे का ख्याल नहीं रखेंगे फिर भी अपने कर्त्तव्यों का निर्वहन भली-भांति करते रहेंगे। इनका जीवन सामान्यतः नीरस ही रहेगा क्योंकि प्रेम एवं रोमांस के तत्व इनके जीवन से अनुपस्थित ही रहने वाले हैं।

तारा

Rajat की तारा सम्पत तथा Rishika की तारा अतिमित्र है। अतः तारा मिलान अनुकूल होने के कारण यह मिलान अति उत्तम मिलान है। इस मिलान के कारण उत्तम स्वास्थ्य, धन एवं समृद्धि का बनी रहेगी। इस विवाह से Rajat एवं Rishika दोनों के सौभाग्य के द्वार खुल जायेंगे। Rishika एक अच्छे साथी की भूमिका अदा करने वाली होगी तथा अपने पति की हर प्रकार से समय समय पर मदद करती रहेगी। घर में प्रेम, शांति एवं सौहार्द का माहौल बना रहेगा। इनकी संतान भी काफी अच्छी होंगी तथा जीवन में सफलता प्राप्त करती रहेंगी।

योनि

Rajat की योनि मूषक है तथा Rishika की योनि मार्जार है । अर्थात दोनों की योनि समान नहीं है। इन दोनों योनि के बीच परस्पर शत्रुता का संबंध है। अतः यह मिलान बहुत बुरा मिलान ही रहेगा। जिसके कारण दोनों के बीच अक्सर घरेलू हिंसा होती रहेगी। समय-समय पर एक दूसरे पर आघात भी कर सकते हैं। दोनों के बीच प्रेम एवं सौहार्द का अभाव बना रहेगा। दोनों के बीच परस्पर संदेह की भावना बनी रहगी। वैवाहिक जीवन में स्थिति मुकदमेबाजी तक भी जी सकती है। दोनों के बीच अलगाव की चाह भी हो सकती है। एक घर में रहकर स्थिति तलाक जैसी बनी रह सकती है। परस्पर अविश्वास की भावना के कारण वैवाहिक जीवन संघर्षपूर्ण व कलेशपूर्वक बीतने की संभावना है। अतः अपने वैवाहिक जीवन को बचाये रखने के लिए दोनों को परस्पर विश्वास व सहयोग की आवश्यकता है अन्यथा घरेलू हिंसा होने के कारण चोट भी लग सकती है। वैचारिक मतभेदों को बुद्धि बल तथा समझदारी से निपटाना चाहिये अन्यथा लड़ाई झगड़े से किसी भी समस्या का हल निकाल पाना असंभव है।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में Rajat एवं Rishika दोनों के राशि स्वामी परस्पर मित्र हैं। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से अति उत्तम मिलान है। ज्यातिष की दृष्टि से यदि Rajat एवं Rishika के राशिस्वामी परस्पर मित्र होने के कारण इसे अति उत्तम मिलान माना जाता है। जिसके कारण Rajat एवं Rishika जीवन की हर खुशी एवं सुख प्राप्त करने में सफल होंगे तथा इनमें परस्पर विश्वास, प्रेम, समझ एवं सहयोग की भावना बनी रहेगी। साथ ही हर प्रकार की सुख-सुविधाओं एवं वैभव से परिपूर्ण होंगे।

गण

Rajat का गण राक्षस है तथा Rishika का गण भी राक्षस है। अर्थात Rishika का गण Rajat के गण के समान है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान रहेगा। जिसके कारण Rajat एवं Rishika दोनों के स्वभाव, विचार तथा पसंद-नापसंद एक जैसे होंगे। यद्यपि कि दोनों के स्वभाव क्रूर, निष्ठुर एवं असंवेदनशील होंगे किंतु फिर भी एक-दूसरे के लिए ये अति अनुकूल एवं आदर्श साबित होंगे।

भकूट

Rajat से Rishika की राशि द्वादश भाव में स्थित है Rishika से Rajat की राशि द्वितीय भाव में स्थित है जिसके कारण यह मिलान अच्छा नहीं है। जिसके फलस्वरूप दोनों के बीच कलह, लड़ाई-झगड़े, मुकदमेबाजी, तलाक एवं परिवार में कुछ अनहोनी घटनाएं आदि हो सकती हैं। इस मिलान में Rajat परिश्रमी, परिवार से प्रेम करने वाला, अच्छा कमाने वाला तथा बचत करने वाला होगा किंतु Rishika का स्वभाव इसके ठीक विपरीत होगा। Rishika की शारीरिक स्थिति कमजोर तथा स्वास्थ्य अक्सर खराब रह सकता है। साथ ही Rishika तुरंत क्रोधित होने वाली तथा अपव्ययी होंगी। वह अपने पति द्वारा कमाए गए पैसों को अपने फालतू शौकों एवं दिखावे में व्यय करने वाली होंगी। परिणामतः दोनों के बीच अक्सर लड़ाई-झगड़े होते रहेंगे।

नाड़ी

Rajat की नाड़ी अन्त्य है तथा Rishika की नाड़ी भी अन्त्य है। अर्थात दोनों की नाड़ी समान है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोषपूर्ण है। अर्थात यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। Rajat एवं Rishika की एक ही नाड़ी अन्त्य होने के कारण शरीर में श्लेष्मा की अत्यधिक वृद्धि होने की संभावना है। जोकि भावी दम्पत्ति के लिए खतरे की सूचक हैं। जिसके प्रभाववश संतान की मृत्यु भी संभव है। आपको श्वांस की तकलीफ, दमा जैसी बीमारियां तथा कमजोर स्वास्थ्य का सामना करना पड़ सकता है। आपकी संतान मानसिक रोग, सुस्त विकास एवं निम्न बौद्धिक स्तर की शिकार हो सकती हैं।

मेलापक फलित

स्वभाव

Rajat की जन्म राशि अग्नितत्व युक्त सिंह तथा Rishika की जलतत्व युक्त कर्क राशि है। नैसर्गिक रूप से अग्नि एवं जलतत्व में शत्रुता एवं असमानता का भाव रहता है । अतः Rajat और Rishika के मध्य स्वाभाविक असमानताएं विद्यमान होंगी जिससे वैवाहिक जीवन में अनावश्यक समस्याएं एवं विवाद उत्पन्न होंगे फलतः यह मिलान अच्छा नहीं रहेगा।

Rajat की जन्म राशि का स्वामी सूर्य तथा Rishika की राशि का स्वामी चन्द्रमा परस्पर मित्र है। अतः Rajat और Rishika के मध्य स्वाभाविक मित्रता का भाव रहेगा तथा एक दूसरे के गुणों की वे उन्मुक्त भाव से प्रशंसा करेंगे तथा गलतियों की उपेक्षा करेंगे। इससे उनके दाम्पत्य जीवन में परस्पर सदभाव आकर्षण एवं समर्पण का भाव रहेगा तथा एक दूसरे के अस्तित्व को भी सम्मान प्रदान करेंगे। इसके प्रभाव से उनके स्वभावगत मतभेदों में भी न्यूनता आएगी तथा वैवाहिक जीवन सुख पूर्वक व्यतीत होगा।

Rajat और Rishika की राशियां परस्पर द्वादश एवं द्वितीय भाव में पड़ती हैं। अतः इसके प्रभाव से यदा कदा परस्पर वैमनस्य तथा विरोध का भाव उत्पन्न होगा। Rajat और Rishika परस्पर उग्रता के भाव का भी प्रदर्शन करेंगे। ऐसी स्थिति में आर्थिक विषमता रहेगी । अतः यदि Rajat और Rishika किंचित धैर्य एवं बुद्धिमता का परिचय दें तो उपरोक्त अशुभ प्रभावों में न्यूनता हो सकती है।

Rajat का वश्य वनचर तथा Rishika का वश्य जलचर है। वनचर एवं जलचर में नैसर्गिक समानता होने के कारण इनकी अभिरूचियों में समानता होगी तथा शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक अंतर भी समान रहेगा। साथ ही काम संबधों में भी एक दूसरे को प्रसन्न तथा सन्तुष्ट करने में समर्थ रहेंगे।

Rajat का वर्ण क्षत्रिय तथा Rishika का वर्ण ब्राह्मण है। इसके प्रभाव से Rajat की प्रवृति पराक्रमी एवं साहसिक कार्यो के प्रति तत्पर होगी तथा Rishika शैक्षणिक धार्मिक एवं शास्त्रीय कार्यो में अधिक रूचिशील रहेंगी, अतः कार्य क्षेत्र की दृष्टि से ये उन्नति मार्ग पर अग्रसर रहेंगे ।

धन

Rajat की तारा सम्पत तथा Rishika की तारा अतिमित्र है। ये दोनों ताराएं शुभ मानी जाती हैं। अतः इसके प्रभाव से इनकी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ रहेगी तथा प्रचुर मात्रा में धन एवं सम्पति को अर्जित करने में समर्थ होंगे। Rajat और Rishika की राशियां परस्पर द्वितीय एवं द्वादश भाव में पड़ती है जो भकूट दोष माना जाता है। लेकिन मंगल भी आर्थिक स्थिति से इनको सम्पन्न करेगा जिससे भकूट दोष का प्रभाव न्यून होगा तथा उनका जीवन धनऐश्वर्य से सम्पन्न होकर सुख पूर्वक व्यतीत होगा एवं भौतिक सुख संसाधनों का उपभोग करने में भी वे समर्थ रहेंगे।

भकूट दोष के कारण Rajat की प्रवृति अधिक व्यय करने की रहेगी लेकिन तारा के शुभ प्रभाव से इसका आर्थिक स्थिति पर कोई प्रभाव नहीं होगा तथा धन की भी कमी नहीं आएगी जिससे जीवन सुख पूर्वक व्यतीत होगा।

स्वास्थ्य

Rajat तथा Rishika दोनों की ही अन्त्य नाड़ी है। अतः दोनों नाड़ी दोष से पीड़ित रहेंगे इसके प्रभाव से इनका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा तथा समय समय पर शारीरिक अस्वस्थता के कारण सांसारिक महत्व के कार्यो को करने में परेशानी की अनुभूति होगी। इससे Rishika को गले से संबधित कोई परेशानी हो सकती है तथा कफ या वात संबंधी कष्ट का भी सामना करना पड़ेगा। लेकिन मंगल का इन पर कोई विशेष दुष्प्रभाव नहीं रहेगा। अतः रोग की गंभीरता से बचाव रहेगा लेकिन समय समय पर न्यूनाधिक कष्ट की इन्हें अनुभूति होती रहेगी। इसके अतिरिक्त Rishika को यदा कदा यौन संबंधी गुप्त रोगों का भी सामना करना पड़ सकता है। अतः सुखी दाम्पत्य जीवन की दृष्टि से यह मिलान अच्छा नहीं रहेगा जिससे इसकी यत्नपूर्वक उपेक्षा करनी चाहिए।

संतान

संतति प्राप्ति की दृष्टि से Rajat और Rishika का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से उन्हें उचित समय पर संतति की प्राप्ति होगी तथा इसमें अनावश्यक विलम्ब भी नहीं होगा। साथ ही बच्चों के जन्म में भी सामान्य अंतर रहेगा जिससे उनका पालन पोषण उचित ढंग से करने में आसानी रहेगी। इसके अतिरिक्त Rajat और Rishika के पुत्र एवं कन्या संतति की संख्या समान होगी।

प्रसव के विषय में Rishika के मन में पहले से ही अनावश्यक भय की अनुभूति रहेगी लेकिन Rishika को इस विषय में किसी भी प्रकार की चिन्ता नहीं करनी चाहिए तथा सामान्य रूप से गर्भावस्था का समय व्यतीत करना चाहिए। प्रसव काल में Rishika को प्रसूति या अन्य किसी भी प्रकार की चिकित्सा की आवश्यकता नहीं पड़ेगी तथा सुदंर स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में सफल होंगी। साथ ही स्वयं भी स्वस्थ एवं प्रसन्नता की अनुभूति करेंगी।

संतति पक्ष से Rajat और Rishika सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे तथा बच्चे अपने क्षेत्र में अपनी बुद्धिमता तथा योग्यता से उन्नतिमार्ग पर अग्रसर होंगे। साथ ही व्यवहार कुशलता का गुण भी उनमें विद्यमान रहेगा। माता पिता के प्रति उनका पूर्ण आदर तथा आज्ञापालन का भाव रहेगा तथा उनकी इच्छा के विरूद्ध वे कोई भी कार्य सम्पन्न नहीं करेंगे। इस प्रकार Rajat और Rishika का पारिवारिक जीवन सुख शांति तथा प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

ससुराल-सुश्री

Rishika के अपनी सास के साथ संबधों में मधुरता रहेगी तथा इनके मध्य परस्पर सामंजस्य भी रहेगा। साथ ही सास से Rishika को कभी भी कोई परेशानी या समस्या का सामना नहीं करना पड़ेगा। Rishika भी उनकी सुख सुविधा का पूर्ण ध्यान रखेंगी तथा सेवा करने में सर्वदा

तत्पर रहेंगी।

ससुर पक्ष से Rishika को यदा कदा अनावश्यक समस्याओं तथा परेशानियों का सामना करना पड़ेगा एवं वे सन्तुष्ट तथा प्रसन्न अल्प मात्रा में ही रहेंगे। तथापि उनका हृदय जीतने के लिए Rishika उनकी सेवा तथा सुख सुविधा का पूर्ण ध्यान रखेंगी एवं परस्पर सामंजस्य स्थापित करने के लिए भी तत्पर रहेंगी। साथ ही देवर एवं ननदों से भी Rishika के मधुर संबध नहीं रहेंगे तथा परस्पर स्नेह एवं सहयोग के भाव की भी न्यूनता रहेगी। इसके अतिरिक्त परस्पर प्रतिद्वन्दिता तथा आलोचना का भाव रहेगा।

सामान्य रूप से सास ससुर का Rishika के प्रति अनुकूल दृष्टिकोण रहेगा तथा परिवार में उसकी महता को स्वीकार करेंगे।

ससुराल-श्री

Rajat की अपनी सास से संबंधों में मधुरता रहेगी। साथ ही उनके प्रति श्रद्धा सम्मान एवं सहयोग का भाव रहेगा। Rajat सपत्नीक समय समय पर ससुराल के लोगों से मिलने जाया करेंगे जिससे आपसी संबंधों में मधुरता की वृद्धि होगी। साथ ही Rajat का व्यवहार उनके प्रति विनम्रता से युक्त रहेगा।

ससुर के साथ भी Rajat के संबंधों में मधुरता का भाव रहेगा। साथ ही इन दोनों के मध्य दामाद ससुर की अपेक्षा पिता पुत्र का भाव अधिक रहेगा। Rajat भी समय समय पर अपने समस्याओं के समाधान के लिए ससुर से सलाह लेते रहेंगे लेकिन साले तथा सालियों से संबंध विशेष अच्छे नहीं रहेंगे तथा उनसे यथोचित सम्मान तथा सहयोग की प्राप्ति अल्प मात्रा में ही होगी।

इस प्रकार ससुराल के लोगों का दृष्टिकोण Rajat के प्रति अनुकूल रहेगा जिससे उनके आपसी संबंध अनौपचारिक रहेंगे।